Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 08 सितंबर, 2021

आईएनएस 'हंस' को 'प्रेसीडेंट कलर अवार्ड'

भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर और भारतीय राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने हाल ही में आईएनएस 'हंस' (गोवा स्थित भारतीय नेवल एविएशन) को 'प्रेसीडेंट कलर अवार्ड' या ध्वज प्रदान किया है। शांति और युद्ध दोनों स्थितियों में राष्ट्र को दी गई असाधारण सेवा के सम्मान में एक सैन्य इकाई को राष्ट्रपति द्वारा यह अवार्ड प्रदान किया जाता है। भारतीय नौसेना 27 मई, 1951 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद से ध्वज प्राप्त करने वाली पहली भारतीय सशस्त्र सेना थी। इसके बाद नौसेना में राष्ट्रपति का ध्वज प्राप्त करने वालों में दक्षिणी नौसेना कमान, पूर्वी नौसेना कमान, पश्चिमी नौसेना कमान, पूर्वी बेड़ा, पश्चिमी बेड़ा, पनडुब्बी शाखा, आईएनएस शिवाजी और भारतीय नौसेना अकादमी शामिल हैं। नेवल एविएशन ने पिछले सात दशकों में राष्ट्र के लिये उल्लेखनीय और वीरतापूर्ण सेवा के साथ स्वयं को प्रतिष्ठित किया है। यह शाखा 13 जनवरी, 1951 को पहले 'सी-लैंड' विमान के अधिग्रहण के साथ अस्तित्व में आई और 11 मई, 1953 को कोच्चि में 'आईएनएस गरुड़' को इसमें शामिल किया गया। वर्तमान में 'नेवल एविएशन' नौ 'वायु स्टेशनों' और तीन 'नौसेना वायु एन्क्लेव' के साथ भारतीय समुद्र तट, खासतौर पर अंडमान व निकोबार द्वीप समूह की सुरक्षा को मज़बूती प्रदान करता है।

विश्व फिज़ियोथेरेपी दिवस

प्रतिवर्ष 08 सितंबर को वैश्विक स्तर पर 'विश्व फिज़ियोथेरेपी दिवस' का आयोजन किया जाता है। यह दिवस लोगों को फिट और स्वस्थ्य बनाने में फिज़ियोथेरेपिस्ट की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष 'विश्व फिज़ियोथेरेपी दिवस' कोविड-19 संक्रमण से रिकवरी और इससे प्रभावित लोगों के प्रबंधन तथा उपचार में फिज़ियोथेरेपी की भूमिका पर केंद्रित है। 08 सितंबर को वैश्विक स्तर पर 'विश्व फिज़ियोथेरेपी दिवस' के रूप में वर्ष 1996 में नामित किया गया था। इस दिवस का आयोजन फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा रोगियों के लिये किये जाने वाले कार्यों को मान्यता देने के साथ-साथ फिज़ियोथेरेपी के क्षेत्र में नवाचार को भी प्रोत्साहित करता है। फिजियोथेरेपी मेडिकल साइंस की ऐसी प्रणाली है, जिसकी सहायता से जटिल रोगों का इलाज आसानी से किया जाता है। फिज़ियोथेरेपी किसी भी प्रकार की पुरानी चोट से निपटने और भविष्य में चोट को रोकने में सक्षम है। फिज़ियोथेरेपी चोट की संभावना को कम करते हुए शरीर को अधिक मज़बूत एवं लचीला बनाने में मदद कर सकती है।

वाराणसी-चुनार क्रूज़ सेवा

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने राज्य में जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये 'वाराणसी-चुनार क्रूज़ सेवा' की शुरुआत की है। यह क्रूज़ सेवा गंगा नदी में वाराणसी से मिर्ज़ापुर के ऐतिहासिक 'चुनार किले' तक संचालित होगी। राज्य सरकार इस यात्रा को प्रयागराज में संगम तक बढ़ाने की योजना बना रही है। चुनार किले को चंद्रकांता चुनारगढ़ और चरणाद्री के नाम से भी जाना जाता है। यह किला गंगा नदी के तट के पास 'कैमूर पहाड़ियों' पर स्थित है। इस किले का इतिहास तकरीबन 56 ईसा पूर्व का है, जब राजा विक्रमादित्य 'उज्जैन' के शासक थे। इसके पश्चात् यह मुगलों, सूरी, अवध के नवाबों और अंत में अंग्रेज़ों के नियंत्रण में आ गया। वर्ष 1791 में यूरोपीय और भारतीय बटालियनों ने किले को अपना मुख्यालय बनाया। वर्ष 1815 के बाद से किले को कैदियों के लिये निवास स्थान के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। वर्ष 1849 में महाराजा रणजीत सिंह की पत्नी 'रानी जींद कौर' को भी यहाँ कैद किया गया था।

ग्रीस में जलवायु संकट हेतु विशिष्ट मंत्रालय

हाल ही में ग्रीस सरकार ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को दूर करने के लिये एक नए मंत्रालय का गठन किया है और यूरोपीय संघ के पूर्व आयुक्त 'क्रिस्टोस स्टाइलियानाइड्स' को मंत्रालय का प्रमुख नामित किया है। 'क्रिस्टोस टायलियनाइड्स' वर्ष 2014 से वर्ष 2019 के बीच मानवीय सहायता और संकट प्रबंधन के लिये यूरोपीय संघ आयुक्त के रूप में कार्य कर चुके हैं। यह नियुक्ति ऐसे समय में की गई है, जब ग्रीस में भीषण आग लगी हुई है, जिसने अब तक इविया द्वीप और दक्षिणी ग्रीस में 1,000 वर्ग किलोमीटर (385 वर्ग मील) से अधिक वन क्षेत्र को जला दिया है। ग्रीस द्वारा गठित 'मिनिस्ट्री ऑफ क्लाइमेट क्राइसिस एंड सिविल प्रोटेक्शन' का प्राथमिक दायित्व जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप बढ़ते तापमान से निपटने और अग्निशामक एवं आपदा राहत कार्यों को बढ़ावा देने हेतु नीतियों का निर्माण करना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-08-september-2021